स्टडफिनान

2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

320-

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 2 2 4 0 8 5 2

शब्दों में: दो शून्य दो दो चार शून्य आठ पाँच दो

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 38

ग :– परीक्षा का दिनांक 02 | 03 | 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री केन्द्र क्रमांक 222009

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जाये

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के न...

उप मुख्य परी... ...र्धारित मुद्रा : परीक्षक ... र एवं निर्धारित मुद्रा

A. K. NEMA
V.No. 7355

...व (उ.मा.शि.)
शा.क.उ.मा.वि. गंजबासौदा
क्र. 6810
मो. 9893718364

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाये

नोट :– "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा ... प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न ... 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधि... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

...क अंकों में

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-1 सही विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) ⟶

उत्तर⟶ ब) महादेवी वर्मा

(ii) ⟶

उत्तर⟶ अ) कबीरदास

iii) ⟶

उत्तर⟶ ब) सुजान

iv) ⟶

उत्तर⟶ स) सावन में

⟶

उत्तर⟶ ब) पाडौन के जंगल में

प्रश्न-2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

अ) छायावाद

ब) श्रीकृष्ण

स) जल शोषन

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

ट) तीन

ठ) गणेश शंकर विद्यार्थी

प्रश्न => 3. सत्य / असत्य का चयन कीजिए :-

उत्तर => 1. "असत्य"

उत्तर => 2. "सत्य"

उत्तर => 3. "असत्य"

उत्तर => 4. "असत्य"

उत्तर => 5. "सत्य"

प्रश्न => 4. सही जोड़ियाँ बनाइए :-

1. सभी विपत्तियों को हरते है - गणेश जी

2. व्यंग की प्रधानता - नई कविता

3. मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या - नये मेहमान

4. कंस की बहन - देवकी

5. गाय करुणा की कहानी है - महात्मा गाँधी

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न=> 5 मथुरा एक वाक्य मे उत्तर लिखिए,

अ) ⟶

उत्तर=> मथुरा मे योग सिखाने "उद्धव" आये थे ।

ब) ⟶

उत्तर भय "साध्य" और "असाध्य" दो रूपों मे सामने आता है,

BSE

स) ⟶

उत्तर=> निम्न मे "अन्योक्ति" अलंकार होता है ।

द) ⟶

उत्तर=> प्रयोगवाद का आरंभ सन् 1943 ई मे अज्ञेय जी के "तार सप्तक" के प्रकाशन से माना जाता है ।

इ) ⟶

उत्तर=> बसंत हर्ष एवं उल्लास प्रात लेकर आया था ।

प्रश्न=>6 ⟶

उत्तर=> कृष्ण ने जब माता यशोदा की डाँट सुनी एवं जब उन्हें पता चला कि ग्वालों ने उनकी शिकायत माता यशोदा से की

प्रश्न क्र.

है तब उन्होंने माँ को अनेको तर्क दिये, तथा दही का दोना पीठ के पीछे छिपा लिया।

प्रश्न =>7 ⟶

उत्तर => मिट्टी कुम्हार से कहती है कि आज तुम मुझे कुचल रहे हो, लेकिन एक दिन ऐसा आयेगा कि तुम्हें मुझमें ही मिलना पड़ेगा।

प्रश्न =>8 ⟶

उत्तर => खग कुल - कुल बोलने का अर्थ है प्रातः कालीन पक्षियों की चहचहाहट, अतः सुबह होने के कारण खग - कुल - कुल सा बोल रहा है।

प्रश्न =>9 ⟶

उत्तर => फूल और मालिन यौवन ढलने के पश्चात मुरझा जायेंगे।

प्र... ⟶

उत्तर => साँझ - सकारे सूरज और चंदा भारत - माता की आरती करते है। साँझ होने पर चंद्रमा तथा सकारे सूर्य।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 11 →

उत्तर→ गजाधर बाबू रेलगाड़ी के चलने से उत्पन्न होने वाली खट् - खट् की आवाज ही मधुर संगीत था।

प्रश्न 12 →

उत्तर→ बिना हवादार तथा छोटा घर होने के कारण रेवती अपने घर को जेलखाना कहती है।

प्रश्न 14 →

उत्तर→ जो ग्वाला गौरा गाय का दूध दुहता था उसके (गौरा) के आने से पहले वह उसी घर में दूध दिया करता था जिसमे गौरा रहती थी। इसलिए उसे गौरा का आना पसंद नहीं आया और उसने गौरा को सुई गुड़ मे लपेटकर खिलाई ताकि उसकी मृत्यु हो जाए।

प्रश्न 13 →

उत्तर→ एक वर्ष से निरन्तर दौड़ते - दौड़ते थक गये थे तथा उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ चुका था इसलिए वे नरवर के राजा मानसिंह के संरक्षण मे गये थे।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न ⇒ 15 ⟶

उ०) i) सरोवर मे पानी भरा है। (शुद्ध वाक्य)

उ०) ii) कश्मीर का सौंदर्य मनमोहक है। (शुद्ध वाक्य)

प्रश्न ⇒ 16 ⟶

उत्तर ⇒ रौद्र रस की परिभाषा तथा एक उदाहरण निम्न है।

B
S
E

रौद्र रस – जहाँ पर क्रोध नामक स्थायी भाव विभाव, अनुभाव, संचारी का वर्णन हो उसे रौद्र रस कहते है।

उदाहरणार्थ – श्रीकृष्ण के सुन वचन,
अर्जुन क्रोध से जलने लगे,
शोक अपना भूलकर, करतल युग
मलने लगे, संसार देखे,
आज हमारे शत्रु रण मे, कैसे
मृत पड़े।

प्रश्न ⇒ 17 ⟶

उत्तर ⇒ माँ ने डॉ रामकुमार वर्मा जी की माँ ने उनसे पढ़ाई के संबंध मे कहा कि तुम्हे अपने लक्ष्य यानि पढ़ाई मे प्रथम दर्जे का सदा ध्यान रखना है। जैसे अर्जुन ने अपने लक्ष्य यानि चिड़िया की

आँख पर ही रखी थी। तब वे माँ से कहते है कि अच्छा तो तुम मुझे अर्जुन बनाना चाहती हो। ~~तब~~ उन्होंने (माँ) ने वर्मा जी कान खींचते हुए कहा कर्ण बनाऊँ क्या।

प्रश्न 18 ⟶

उत्तर ⇒ सम्पूर्ण राष्ट्र मे बोली जाने वाली भाषा ही राष्ट्रभाषा कहलाती है, जैसे – भारत की राष्ट्रभाषा "हिन्दी" है।

इसकी दो विशेषताएँ निम्न है।

राष्ट्रभाषा सम्पूर्ण राष्ट्र की सर्वमान्य भाषा होती है।

2. इससे राष्ट्र की संस्कृति तथा आकांक्षाओं का पता चलता है।

प्रश्न 19 ⟶

	विभावना।	विशेषोक्ति
1.	इसमे कार्य न करने पर भी कार्य की सम्पन्नता बताई जाती है।	इसमे कारण के होने पर भी कार्य सम्पन्न नही होता।
2.	इसमें कार्य के लिए प्रयत्न आवश्यक नही है।	इसमे प्रयत्न आवश्यक है।

प्रश्न क्र.

3. इसमे कार्य आसानी से होता है।	इसमे प्रयत्न के बाद भी कार्य आसान नहीं होता।

. ——————>

उत्तर => प्रगतिवाद की दो विशेषताएं एवं दो प्रमुख कवियों के नाम निम्न है।

1. ईश्वर के प्रति अनास्था => इस युग कवियों ने मानवीय शक्ति को सर्वोपरि माना है। तथा इस युग मे ईश्वरीय शक्ति गौण है।

2. नारी के प्रति सहानुभूति => छायावादी युग मे केवल नारी को उपभोग की वस्तु माना जाता था। किंतु प्रगतिवाद तक आते - आते नारी को प्रतिष्ठित स्थान दिया जाने लगा।

प्रमुख कवि एवं रचना :—

1. शिव मंगल सिंह सुमन — "प्रलय" (रचना)
2. नागार्जुन — "प्यासी पथराई आँखें"

प्रश्न => 21. ——————>

— — — — — — — —

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर→ नाटक	एकांकी
1. नाटक मे कई अंक होते है।	एकांकी मे केवल एक अंक होता है।
2. नाटक का रूप विस्तृत होता है।	एकांकी का कलेवर लघु होता है।
3. नाटक की अवधि लग- भग तीन घंटे की होती है।	एकांकी आधा घण्टे मे ही पूर्ण हो जाती है।
4. नाटक मे पात्र कोई विशेष होता है।	एकांकी कोई भी कर सकता है।

प्रश्न→22. ⟶

उत्तर→ जयशंकर प्रसाद का जन्म बनारस मे हुआ था। इनकी रचनाऐं, भावपक्ष - कलापक्ष, साहित्य मे स्थान निम्न है।

-॰ रचनाऐं ॰-

1. "कामायनी" (छायावाद का प्रमुख महाकाव्य रचित है) (के रूप में)
2. ("लहर")

-॰ भावपक्ष ॰-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

1. भारतीयता मे आस्था - जयशंकर प्रसाद भारतीयता मे आस्था रखने वाले प्रमुख कवि थे। जिनकी भारतीय संस्कृति मे अटूट आस्था थी।

2. नारी के प्रति सहानुभूति - जयशंकर प्रसाद नारी शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई एवं नारी के प्रति सहानुभूति दिखाई है।

BSE

3. राष्ट्रीय की भावना - जयशंकर प्रसाद राष्ट्रीय प्रेम की भावना एवं देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत कवि है।

4. भाषा - सरल साहित्यिक खड़ी बोली है।

:- कलापक्ष :-

इन्होने शैली मे प्रबन्ध, मुक्तक आदि का प्रमुख रूप से प्रयोग किया है। तथा शान्त, रूपक, यमक आदि अलंकारो एवं रसो का प्रयोग किया है।

:- साहित्य मै स्थान :-

जयशंकर प्रसाद भारतीयता मे आस्था रखने वाले महत्वपूर्ण कवि थे तथा छायावादी काव्यधारा के भी प्रमुख स्तम्भ माने

प्रश्न क्र.

...ते थे, इसलिए इनका नाम साहित्य मे अमर रहेगा।

प्रश्न – 23. →

उत्तर – आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जन्म सन् 1884 मे अगोना नामक गाँव मे हुआ था।

◉ रचनाएँ

1. "चिन्तामणि"
2. "रस, मीमांसा"

◉ भाषाशैली :-

आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी की भाषा शुद्ध, साहित्यिक खड़ी बोली है। इन्होने अपनी रचनाओं मे वर्णनात्मक समीक्षात्मक गवेषणात्मक भावात्मक तथा तुलनात्मक आदि शैलियों का निर्माण मुख्य रूप से किया है। आचार्य शुक्ल जी की रचनाओं मे मुहावरो एवं लोकोक्तियों का प्रयोग भी मुख्य रूप से देखने मे आता है, इनकी रचनाओं मे वर्णन किसी भी विषय का प्रधान है। एवं तुलना भी विशेष रूप से की है।

◉ साहित्य मे स्थान - शुक्ल जी का साहित्य मे महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होने अपनी बात एकदम सरल भाषा में कहा

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

। जिसमे आम आदमी को भी समझने मे कठिनाई न हो। अतः उनका नाम साहित्य मे अमर रहेगा।

प्रश्न-25 ——>

उत्तर- संदर्भ - दिया गया द्वितीय वाक्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक स्वाति के शौर्य और देशप्रेम नामक पाठ के "अरे तुम तो काल के भी काल हो" नामक शीर्षक से अवतरित है जिसके रचियता "बालकृष्ण शर्मा नवीन" है।

प्रसंग - इसमें वीरों के साहस का वर्णन किया है।

व्याख्या - नवीन जी देश के वीरों से कहते है कि के कौन कहता है कि काल तुम्हारा कुछ बिगाड़ सकेगा। क्योंकि तुम तो काल के भी काल हो यानि मृत्यु की भयंकर मृत्यु हो, समय तुम्हारा धनुष तथा दिशाये उसकी डोर। यदि तुम अपने धनुष (समय रूपी) पर प्रत्यंचा चढाओगे तो मात्र प्रत्यंचा चढाने से ही सृष्टि का विनाश सृजन ही और मुड़ जाएगा। और तुम ये कर सकते हो।

विशेष - (1) वीर रस का वर्णन 2) वीरो की साहसता (3) मानवीकरण आदि।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 25. ———>

उत्तर- संदर्भ - दिया गया गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक के पाठ "तिमिर गेह में किरण आचरण से लिया गया है। इसके लेखक "डॉ श्यामसुंदर दुबे जी" है।

● प्रसंग - इसमे जीवन (मानव के) जीवन के असल प्रकाश के बारे मे कहा गया जो आचरण, शील एवं श्रम मे है।

B S E

● व्याख्या - लेखक कहते है जिसे लेखक व्यक्ति को आचरण, श्रम, शील, विवेक ऐसा हो जिससे सभी लोग प्रभावित हो एवं स्पर्श मात्र से स्पर्श करने वाला व्यक्ति भी प्रकशित हो जाए। लेखक कहते है कि असल प्रकाश तो मानव जीवन में ही छुपा हुआ है। जिसे कहते है सर्जना का प्रकाश। असल प्रकाश तो वह है जो बड़े - बड़े अंधकारों को अपने बहाव के प्रभाव से सहजता से बहा दे। जैसे - अंधेरे कमरे मे रोशनदान के आले मे उगने वाले पीताभ आभामयी दाने। क्या वे यह संदेश नही देते। कि सर्जना की यात्रा कभी नही रुकती है।

विशेष - (1) जीवन मे छुपे प्रकाश का स्पष्टीकरण
(2) तत्सम, तत्भव आदि शब्दो का प्रयोग

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-26 →

उत्तर-1. "कठोर श्रम एवं कर्मठता"।

उत्तर-2. सही श्रम तो वही है जो कुछ ठोस परिणाम देता है। अतः परिणाम के लिए ठोस श्रम अनिवार्य है।

उत्तर-3. हमें कर्मठता के साथ कोई भी कार्य करना चाहिए ताकि हमें श्रम का सही फल प्राप्त हो सके। हम अपना कार्य जितनी कर्मठता से करेंगे तभी हमारे शिक्षण का उद्देश्य निर्माण एवं उत्तरोत्तर प्रतिशत बढ़ाना होगा।

B
S
E

प्रश्न => 28 →

उत्तर => निबंध विषय - "विज्ञान एवं मानव जीवन"

- "आज का विज्ञान, कल की तकनीकी है"
- "Science is good Servent, But a bad master"

— रूपरेखा :—

1. प्रस्तावना :—
2. विज्ञानिक आविष्कार :—
3. विज्ञान का उपयोग संचार के क्षेत्र मे।
4. विज्ञान दवाईयो (औषधियों) या शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में :-
5. विज्ञान कम्प्यूटर के क्षेत्र मे :—
6. विज्ञान के दुष्परिणाम :—
7. उपसंहार :—

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

1. **प्रास्तावना** - आधुनिक युग विज्ञान का युग है। आज के युग मे विज्ञान मानव जीवन मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। आज के विज्ञान ने मानव जीवन को आसान एवं खुशहाल बनाया है। विज्ञान ने मानव की सभी समस्याओं के हल को आसान बनाया है। विज्ञान ने मानव की जीवन आयु को भी बढ़ाया है तथा मानव के सभी सपनों को साकार किया। केवल कुछ महत्वपूर्ण घटकों को ध्यान मे रखकर मानवों ने बड़ी खोज की है। अत: आधुनिक (मानव) के लिए विज्ञान महत्वपूर्ण है।

2. **वैज्ञानिक अविष्कार** - विज्ञान के कई अविष्कार हैं जो वैज्ञानिक द्वारा किए गये है। उन आविष्कारों ने मानव जीवन को आसान बनाया है। वे आविष्कार है, कार, स्कूटरस, रेलवे इंजन, फ्रिज, बिजली सप्लाई आदि। विज्ञानिकों के यह सभी आविष्कार मानव जीवन के लिए एक वरदान जिसने मानव जीवन को सरल बनाया है। इन आविष्कारों के कारण ही मानव घर बैठे ही सभी आरामदायक चीजों का आंनद उठा रहा है।

3. **संचार के क्षेत्र में** - विज्ञान ने संचार के क्षेत्र मे भी कई + आविष्कार किए है। जैसे -

B
S
E

प्रश्न क्र

मोबाइल, टीवी आदि जिसके माध्यम से हम अपने से बहुत दूर रह रहे व्यक्ति से मोबाइल के माध्यम से आसानी से सम्पर्क कर लेते है। एवं आवागमन के क्षेत्र मे हुए आविष्कारों के कारण हम कितनी भी दूरी हो हम आसानी से पहुँच सकते है। संचार के माध्यम है। रेलवे बस, हवाइजहाज रॉकेट आदि जिसकी सहायता से मानव अंतरिक्ष तक पहुँच चुका है।

4. औषधि एवं शल्य चिकित्सा - विज्ञान ने ऐसी औषधियों का निर्माण किया है। जो कैंसर तथा ब्रेन ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियों को खत्म करने मे भी सक्षम है। तथा आज दिल एवं मस्तिष्क शल्यक्रिया भी आसानी से उपलब्ध है।

5. कम्पयूटर - विज्ञान ने कम्पयूटरों का निर्माण किया। जिसने मानव की सभी ~~जटिल~~ जटिल समस्याओं का हल किया है।

6. दुष्परिणाम विज्ञान के - वैज्ञानिकों ने एटम बॉम्ब जैसी खतरनाक चीजों का आविष्कार किया। जो कुछ ही पलों मे सम्पूर्ण दुनिया का नाश कर सकता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

7) उपसंहार - हमारे लिए विज्ञान अच्छा भी है और बुरा भी। अतः इसका सही
लाभदायक है। तथा ग'

ब) रूपरेखा :-

जल ही जीवन है :-

1. प्रस्तावना :-
2. जल का महत्व :-
3. जल प्रदूषण :-
4. जल संरक्षण :-
5. जल संरक्षण से लाभ :-
7. जल विषाक्तता :-
7. उपसंहार